



कुलपति महोदय का संदेश

अत्यन्त प्रसन्नता का क्षण है कि उत्तर प्रदेश शासन ने 'उत्तर प्रदेश राज्य संयुक्त बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2020' को आयोजित करने का उत्तरदायित्व पुनः लखनऊ विश्वविद्यालय को सौंपा है। अपने शताब्दी वर्ष में लखनऊ विश्वविद्यालय इस महती उत्तरदायित्व को पाकर अत्यन्त गौरवान्वित है। लखनऊ नवाबों का शहर रहा है। पुण्य सलिला गोमती के पावन तट पर स्थित प्राचीन लखनपुरी अर्थात् वर्तमान के लखनऊ की स्थापना भगवान श्री राम के अनुज वीर लक्ष्मण के द्वारा की गयी थी। लखनऊ ऐतिहासिकता एवं आधुनिकता का अद्भुत संगम है जहाँ एक ओर नवाबी युग की पहचान है, वहीं दूसरी ओर आधुनिकता का बोध कराते पार्क, भवन, रिवर फ्रंट, मेट्रो रेल, संसथान इत्यादि भी नये लखनऊ की शान है।

लखनऊ शहर के निवासी अपनी नजाकत (Exility), नफासत (Sophistication) और तहजीब (Culture) के लिए पूरे विश्व में जाने जाते हैं। इस आपाधापी एवं रफतार भरे युग में "पहले आप पहले आप" की परम्परा भी केवल लखनऊ में ही है।

ऐसे अद्भुत शहर में 25 नवम्बर 1920 को लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी। विगत सौ वर्षों में लखनऊ विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया है तथा विश्व के मानचित्र पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनायी है। भारत के राष्ट्रपति डॉ शंकर दयाल शर्मा, प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. बीरबल साहनी, प्रसिद्ध समाजशास्त्री धुर्जटा प्रसाद मुखर्जी, खेल जगत के शिरोमणि हॉकी खिलाड़ी के.डी. सिंह 'बाबू' क्रिकेटर सुरेश रैना तथा आर.पी. सिंह इत्यादि विभूतियों लखनऊ विश्वविद्यालय की ही देन हैं। उच्च-शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों यथा - शिक्षण कार्य, शोध कार्य एवं सामाजिक गतिविधियों में भी लखनऊ विश्वविद्यालय का योगदान अतुलनीय है।

बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2020 को शुचितापूर्ण एवं पारदर्शितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराना हमारी प्राथमिकता है। अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु ज्यादातर व्यवस्था ऑनलाइन सम्पन्न करायी जा रही है। बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक समस्त अभ्यर्थियों की सफलता हेतु मंगल कामनायें तथा इस महती कार्य के सफल क्रियान्वयन हेतु कटिबद्ध विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं टीम के सदस्यों को शुभकामनायें।

आलोक कुमार राय
कुलपति